



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्रतिभकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]
No. 10]

नई दिल्ली, शनिवार मार्च 5, 1988/फाल्गुन 15, 1909
NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 5, 1988/PHALGUNA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वि इस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया
(कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 के अधीन गठित)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1988

[कंपनी सचिव द्वितीय संशोधन विनियम, 1988
फरवरी 1988 का आई सी एस आई सं. 2]

सं. 710(2) (एम) (2). —कंपनी सचिव अधिनियम
(1980 का 56) की धारा 39 की उपधारा (3) के साथ
पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए इस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद्
द्वारा प्रस्तावित कंपनी सचिव (द्वितीय संशोधन) विनियम,
1988 के निम्नलिखित प्रारूप को, इन विनियमों से प्रभावित
होने वाले व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता
है तथा सूचित किया जाता है कि इसकी अधिसूचना की

तिथि से 45 दिन पश्चात् इस प्रारूप पर विचार किया
जाएगा।

उपरोक्त प्रारूप के संबंध में निर्धारित तिथि तक किसी
भी व्यक्ति से प्राप्त आपत्ति या सुझाव पर इस्टीट्यूट ऑफ
कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् द्वारा विचार
किया जाएगा।

विनियमों का प्रारूप

1. इन विनियमों का नाम कंपनी सचिव (द्वितीय संशोधन)
विनियम, 1988 है।

2. यह विनियम एक अप्रैल, 1988 से प्रवृत्त होंगे तथा
एक अप्रैल को जो शुल्क देय होंगे उसी दिन से लागू होंगे।

3. कंपनी सचिव विनियम 1982 की अनुसूची 'ख'
के मद 2 (1) के अंक '150' एम्प्लोसियेंट्स वार्षिक सदस्यता
शुल्क मद 3 के अंक "75" व्यवसाय प्रमाण पत्र हेतु शुल्क

तथा मद 4 के अंक "25" सदस्यता पुनर्स्थापित शुल्क, को क्रमशः "275" "300" तथा "100" स्थानापन्न किए जाएं।

नई दिल्ली; 3 मार्च 1988

परिषद् के आदेशानुसार,
टी. पी. सुब्बारामन, सचिव

सदस्यों से संबंधित अनुसूची 'ख' के मदों 2, 3 और 4 की व्याख्या—एसोसिएट्स वार्षिक सदस्यता शुल्क, वार्षिक व्यवसाय प्रमाण-पत्र शुल्क तथा सदस्यता पुनर्स्थापित हेतु शुल्क में प्रस्तावित संशोधन का कारण प्रत्येक सदस्य को दी जाने वाले सेवाओं हेतु व्यय जो कि वार्षिक 350 रुपये या उससे अधिक बैठता है। फेलो सदस्यों से संबंधित वार्षिक फीस में बढ़ोतरी के लिए कंपनी सचिव अधिनियम 1980 जिसमें फीस की सीमा केवल 300 रुपये दी गई है, के संशोधन का प्रस्ताव अलग से भेज दिया गया है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 1988

[The Company Secretaries (Second Amendment) Regulations, 1988 (ICSI No. 2 of February, 1988)]

No. 710(2)(M)(2).—The following draft of the Company Secretaries (Second Amendment) Regulations, 1988 proposed to be made by the Council of the Institute of Company Secretaries of India in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 39 of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980) read with sub-section (3) thereof is published for information of persons likely to be

affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration after the expiry of 45 days from the date of its notification.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified, will be considered by the Council of the Institute of Company Secretaries of India.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called "The Company Secretaries (Second Amendment) Regulations, 1988"

2. These regulations shall come into force w.e.f. 1st April, 1988 and the fees becoming due and payable on 1st April, 1988 shall be payable from that date.

3. In Schedule B to the Company Secretaries Regulations, 1982, the figure "150" appearing against item 2(i) in respect of Annual membership fee for Associates; the figure "75" appearing against item 3 in respect of annual certificate fee for holding certificate of practice and the figure "25" appearing against item 4 in respect of restoration fee be substituted by the figures "275" "300" and "100" respectively.

New Delhi

Dated the 3rd March, 1988.

By Order of the Council,
T. P. SUBBARAMAN, Secy.

Notes on items 2, 3 and 4 of Schedule B relating to members.—The amendment proposed to revise upwards the annual membership fee for Associates, the annual certificate fee for holding certificate of practice; and restoration fee payable for restoration of membership is to meet the increase in the cost services rendered to a member which is estimated to be over Rs. 350 per annum. For making suitable increase in annual fees payable by Fellow members, a proposal has been made to the Government to amend the Company Secretaries Act, 1980 which has currently specified a monetary ceiling of Rs. 300 only.